खबर संक्षेप

गहरे गड्ढे में गिरने से युवक की हुई मौत

कटनी। बड़वारी थाना क्षेत्र में एक 30 वर्षीय युवक गड्ढे में गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। घटना बड़वारा के शेर चौक की है। पुलिस के अनुसार नवीन गुप्ता निवासी रोहनिया का शेर चौक में एक मकान का निर्माण कार्य चल रहा था। इस निर्माणाधीन मकान में टायलेट निर्माण के लिये गहरा गड्ढा खोदा गया था। नियमों के मुताबिक किसी भी सार्वजनिक या रिहायशी इलाके में ऐसे निर्माण को ढककर रखना या उसके आसपास बैरिकेडिंग करना अनिवार्य होता है लेकिन नवीन गुप्ता ने इस टैंक को बिना किसी सुरक्षा उपाय या चेतावनी बोर्ड के पूरी तरह खुला छोड़ दिया था। 14 मई को ग्राम बड़वारा का रहने वाला 30 वर्षीय युवक उमेश कुमार वहाँ से गुजर रहा था। गड्ढे के पास पर्याप्त रोशनी या सुरक्षा घेरा न होने के वह सीधे उसमें जा गिरा जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौका मुआयना कर मामले की जांच की। शुरुआती जांच में ही यह साफ हो गया कि अगर टैंक को ढककर रखा गया होता, तो युवक की जान बच सकती थी। पुलिस ने मकान मालिक नवीन गुप्ता के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

विदेश में पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति हेतु आवेदन की आज अंतिम तिथि

कटनी। राज्य शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अनारक्षित वर्ग के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत आवेदन की अंतिम तिथि 25 मई है। योजना के तहत स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को राज्य शासन द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। योजना के अंतर्गत जुलाई से दिसंबर 2026 के मध्य प्रारंभ होने वाले सत्र शामिल रहेंगे।

ईद-ए-अज्हा पर्व में व्यवस्थाएं करने लगाई ड्यूटी

कटनी। मुस्लिम समुदाय के द्वारा आगामी 27 या 28 मई को मनाए जाने वाले ईद-ए-अज्हा पर्व को दृष्टिगत रखते हुए नगर पालिक निगम कटनी द्वारा शहर में आवश्यक नागरिक सुविधाओं को सुचारु बनाए रखने हेतु व्यापक व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार द्वारा जारी आदेश के अनुसार पर्व के दौरान मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों एवं प्रमुख स्थलों पर विशेष व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित की गई है। निगमायुक्त द्वारा जारी आदेश के तहत मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों ईदगाह, मस्जिदों एवं कब्रिस्तानों के आसपास के गड्ढों की आवश्यकतानुसार मरम्मत कराने क्षेत्रीय स्वच्छता निरीक्षकों एवं स्वास्थ्य प्रभारी की ड्यूटी लगाई गई है। निगमायुक्त सुश्री परिहार द्वारा उपयंत्री मृदुल श्रीवास्तव एवं सहायक फायर निरीक्षक शैलेन्द्र दुबे को पुलिस कंट्रोल रूम से समन्वय स्थापित कर फायर बिग्रेड वाहन एवं टैंकर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।

कलेक्टर की दूरदर्शी पहल से सरकारी शिक्षा में डिजिटल क्रांति, मध्यप्रदेश में अनूठा मॉडल बना कटनी

कटनी ने रचा शिक्षा का नया इतिहास: अब "स्कैन करो और सीखो" बनेगा सरकारी विद्यालयों की नई पहचान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

सरकारी स्कूलों में पढ़ाई अब केवल ब्लैकबोर्ड और किताबों तक सीमित नहीं रहेगी। कटनी जिले ने शिक्षा के क्षेत्र में ऐसा अभिनव और दूरदर्शी प्रयोग शुरू किया है, जो आने वाले समय में पूरे प्रदेश के लिए मॉडल बन सकता है। इस इस क्यू आर कोड आधारित डिजिटल शिक्षा के प्रणेता एवं सूत्रधार कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) कटनी द्वारा कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए क्यूआर कोड आधारित "स्मार्ट स्टडी सिस्टम" विकसित किया गया है।

इस अनूठी पहल के साथ कटनी मध्यप्रदेश का पहला जिला बन गया है, जहां सरकारी स्कूलों में "स्कैन एंड लर्न" मॉडल को संगठित रूप से लागू किया जा रहा है। यह केवल तकनीक का प्रयोग नहीं, बल्कि शिक्षा को आसान, रोचक, आधुनिक और हर बच्चे तक समान रूप से पहुंचाने का एक बड़ा अभियान है।

अब हर चैप्टर बनेगा डिजिटल क्लासरूम

नई व्यवस्था के तहत हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान विषयों के प्रत्येक अध्याय के लिए विशेष क्यूआर कोड तैयार किए गए हैं।जैसे ही विद्यार्थी स्मार्ट बोर्ड या मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन करेंगे, उनके सामने संबंधित अध्याय का वीडियो लेक्चर, सरल व्याख्या और डिजिटल अध्ययन सामग्री खुल जाएगी।यानी अब पढ़ाई केवल पढ़ने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि बच्चे देखकर, सुनकर और समझकर सीख सकेंगे।

ग्रामीण बच्चों के लिए स्थानीय भाषा में तैयार हुए वीडियो

इस पहल की सबसे खास बात यह है कि जिन अध्यायों के गुणवत्तापूर्ण वीडियो उपलब्ध नहीं थे, उनके लिए डाइट कटनी के विशेषज्ञ शिक्षकों ने स्वयं वीडियो तैयार किए। इन वीडियो को स्थानीय भाषा शैली, सरल उदाहरणों और सहज प्रस्तुति के साथ बनाया गया है, ताकि ग्रामीण और सामान्य पृष्ठभूमि के विद्यार्थी भी कठिन विषयों को आसानी से समझ सकें। यह पहल शिक्षा को "बच्चों की भाषा" में पहुंचाने का सफल प्रयास मानी जा रही है।

बंद नहीं रहेंगे स्कूलों के स्मार्ट बोर्ड

जिले के 45 शासकीय विद्यालयों और 9 छात्रावासों में लगे 99 स्मार्ट बोर्ड लंबे समय से कंटेंट और प्रशिक्षण के अभाव में प्रभावी उपयोग से वंचित थे। कलेक्टर के संज्ञान में यह मामला आने के बाद उनकी सार्थक पहल ने इन निष्क्रिय संसाधनों में नई जान फूंक दी है। अब यही स्मार्ट बोर्ड विद्यार्थियों के लिए डिजिटल ज्ञान का सशक्त माध्यम बनेंगे और सरकारी स्कूलों में वास्तविक "स्मार्ट क्लासरूम" की शुरुआत करेंगे।

स्कूलों में शिक्षक न हों तब भी जारी रहेगी पढ़ाई

इस व्यवस्था की सबसे बड़ी खूबी यह है कि, जिन स्कूलों में शिक्षकों की कमी है या किसी कारणवश शिक्षक अनुपस्थित रहते हैं, वहां भी पढ़ाई नहीं रुकेगी।विद्यार्थी स्वयं क्यूआर कोड स्कैन कर डिजिटल कक्षाएं संचालित कर सकेंगे।यह पहल आत्मनिर्भर अध्ययन और "सेल्फ लर्निंग" संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। इस डिजिटल मॉडल का उद्देश्य बच्चों और अभिभावकों को मोबाइल के सकारात्मक उपयोग के लिए प्रेरित करना भी है।यदि अभिभावक इस पहल से जुड़ते हैं, तो घर-घर में सीखने का वातावरण विकसित होगा और मोबाइल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं बल्कि ज्ञान और भविष्य निर्माण का साधन बनेगा। प्रशासनिक इच्छाशक्ति और नवाचार का शानदार उदाहरण

कलेक्टर आशीष तिवारी के नेतृत्व में शुरू हुई यह पहल यह साबित कर रही है कि यदि प्रशासनिक इच्छाशक्ति, तकनीक और नवाचार एक साथ आएं, तो सरकारी शिक्षा व्यवस्था में भी ऐतिहासिक बदलाव संभव है। कटनी का यह मॉडल आने वाले समय में डिजिटल शिक्षा की नई पहचान बन सकता है कलेक्टर के निर्देश पर इस अभिनव पहल को सफलतापूर्वक लागू करने में राज्य शिक्षा केंद्र के ओआईसी विनोद द्विवेदी, जिला शिक्षा अधिकारी राजेश अग्रहरी तथा जिला परियोजना समन्वयक पी.एन. तिवारी की भूमिका रही।

उमरियापान के वार्ड नं 16 में गहराया पेयजल संकट, दूसरे मोहल्ले की दौड़

शोपीस बनकर रह गये नल, पानी के लिये रात भर करना पड़ता है इंतजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ उमरियापान

भीषण गर्मी के बीच उमरियापान में पेयजल संकट है। गर्मी के इस मौसम में जब पानी की सबसे ज्यादा आवश्यकता है, तब लोगों को पानी के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। कई परिवारों को तो पानी भरने के लिए रातभर जागकर इंतजार करना पड़ता है।

उमरियापान के वार्ड क्रमांक 16 में स्थिति यह है कि यहाँ के रहवासियों के घरों में लगे नलों तक नियमित पानी नहीं पहुंच पा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि कभी-कभार ही नलों में पानी आता है, जबकि अधिकतर समय नल सूखे पड़े रहते हैं। कई बार रात के समय अचानक पानी सप्लाई शुरू होती है। ऐसे में जो लोग जाग रहे होते हैं वे ही पानी भर पाते हैं, जबकि सोए हुए लोगों को पानी मिलने का पता तक नहीं चलता। ग्रामीणों का कहना है कि सुबह के समय उन्हें दूसरे मोहल्लों में जाकर पानी भरना पड़ता है। वहां भी भारी भीड़ होने के कारण पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता। मजबूरी में लोग अँधेली बाग और घुघरी रोड स्थित खेरमाता मंदिर के पास लगे नलों से

डिब्बों में पानी भरकर घर लाते हैं।

वार्डवासियों ने बताया कि यह समस्या केवल गर्मी के मौसम तक सीमित नहीं है, बल्कि पिछले एक साल से लगातार बनी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार वार्ड में अधिकांश गरीब परिवार निवास करते हैं, जिनके लिए हर घर में निजी नलकूप लगवाना संभव नहीं है। घरों में नल-जल योजना के कनेक्शन तो हैं, लेकिन समय पर पानी नहीं मिलने से लोगों की परेशानियां लगातार बढ़ रही हैं। ग्रामीणों ने बताया कि वार्ड क्रमांक 15 के कुछ हिस्सों में भी पेयजल संकट बना हुआ है।

गंदा पानी बना न दें बीमार

उमरियापान के कई वार्डों में इन दिनों गंदे और मटमैले पानी की सप्लाई होने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। वार्डवासी मजबूरी में इसी पानी का उपयोग घरेलू कार्यों के साथ पीने के लिए भी कर रहे हैं, जिससे बीमारियों का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने बताया कि नल शुरू होते ही कुछ समय तक मटमैला पानी निकलता है। लोग स्वच्छ पानी आने का इंतजार करते रहते हैं, लेकिन कुछ समय बाद ही पानी साफ हो पाता है और तभी

नल बंद हो जाते हैं। ऐसे में पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पानी नहीं मिल पा रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि जल सप्लाई के दौरान कई बार बिजली भी गुल हो जाती है, जिससे पानी की समस्या और बढ़ जाती है। लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता है, लेकिन फिर भी जरूरत के मुताबिक पानी नहीं मिल पाता।ग्रामीणों ने बताया कि उमरियापान क्षेत्र से गुजरी नर्मदा नहर में भी पानी नहीं है। आसपास की नदियां और जलस्रोत सूख गए है। पानी का स्तर कम हो गया है। जलस्तर नीचे होने के कारण भी पानी मटमैला आता है।जलस्त्रोतों में पानी बना रहता है तो घरों में स्वच्छ पानी आता है।

ट्रक ने कार को मारी टक्कर, चार हुये घायल, किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

बड़वारा थाना क्षेत्र अंतर्गत गणेशपुर-विलायत कला मार्ग पर रविवार को सलैया गांव के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से आ रही कार को टक्कर मार दी। हादसे में कार में सवार दो महिलाओं सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकालकर निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। बताया गया है कि घायल सभी लोग इमिलिया गांव के निवासी हैं और रिश्तेदारों से मिलकर वापस लौट रहे थे। टक्कर इतनी तेज थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के बाद आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे। लोगों ने काफी मशक्कत के बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला।

ग्रामीणों का कहना है कि समय पर 108 एम्बुलेंस नहीं पहुंची, जिसके कारण घायलों को निजी वाहनों से अस्पताल ले जाना पड़ा। घटना के बाद नाराज ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर कुछ समय के लिए चक्काजाम कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रतिबंध के बावजूद इस मार्ग पर ओवरलोड भारी वाहन लगातार चल रहे हैं, जिससे हादसे बढ़ रहे हैं। लोगों का कहना है कि भारी वाहनों की तेज रफ्तार और अवैध रेत परिवहन के कारण क्षेत्र की सड़कें भी खराब हो रही हैं और आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं।

पुलिस ने दी समझाइश

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि खरहटा-देवरी महानदी रेत खदान से अवैध उत्खनन किया जा रहा है और रेत से भरे वाहन नियमों का उल्लंघन कर संपर्क मार्गों से गुजरते हैं, जिससे लोगों की जान जोखिम में पड़ रही है। हंगामे की सूचना मिलने पर बड़वारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाइश दी और ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया जिसके बाद चक्काजाम समाप्त हुआ और आवागमन सुचारू रूप से बहाल हो सका।

कम समय में अधिक मुनाफा कमाने का लालच देकर 14 लाख का लगाया चूना

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

एक किशोरी के साथ लाखों रूपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। युवक की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला माधवनगर थाना क्षेत्र का है। बताया जाता है कि घर बैठे मोटी कमाई और इन्वेस्टमेंट (निवेश) पर भारी मुनाफे का लालच देकर एक 17 वर्षीय युवती से 14,61,780 रुपये की मोटी रकम ऐंठ ली गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता शशि गुप्ता 17 वर्ष जो वर्तमान में माधवनगर क्षेत्र में रहती है उसको एक अज्ञात मोबाइल से संपर्क किया गया था। आरोपी ने पीड़िता को झांसा दिया कि अगर वह बताए गए प्लेटफॉर्म पर पैसे इनवेस्ट करती है, तो उसे बहुत कम समय में भारी प्रॉफिट (मुनाफा) मिलेगा। शुरुआत में कम रकम पर कुछ फायदा दिखाकर आरोपी ने पीड़िता का भरोसा जीत लिया। इसके बाद मुनाफा कमाने के चक्कर में पीड़िता ने 23 अक्टूबर 2025 से 31 मार्च 2026 के बीच किश्तों में कुल 14.6 लाख से अधिक रुपये ट्रांसफर कर दिए। जब पीड़िता ने अपनी रकम और उस पर बने मुनाफे को वापस निकालना (विड्रॉ) चाहा, तो शातिर ठग ने और पैसों की मांग शुरू कर दी। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब न तो मुनाफा मिला और न ही मूल रकम वापस आई, तब पीड़िता को अपने साथ हुई धोखाधड़ी का अहसास हुआ। इसके बाद मामले की शिकायत माधवनगर थाने में दर्ज कराई गई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अज्ञात मोबाइल नंबर धारक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने सायबर सेल की मदद से उक्त मोबाइल नंबर और जिस बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर हुए हैं, उनकी डिटेल खंगालनी शुरू कर दी है।

अस्पताल गेट के पास सड़क खस्ताहाल

उमरियापान। अँधेली बाग तिराहा से घुघरी मार्ग पर अस्पताल गेट के पास सड़क क्षतिग्रस्त होने से राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुलिया के ऊपर बनी सड़क दोनों तरफ से चटक गई है और जगह-जगह गहरी दरारें आ गई हैं। सड़क की गिट्टियां बाहर निकल आने से दोपहिया वाहन चालक आए दिन हादसे का शिकार हो रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पुलिया के ऊपर की सड़क लंबे समय से खराब पड़ी है। सड़क पर निकली नुकीली लोहे की सरिया राहगीरों के लिए खतरा बनी हुई है। दोपहिया वाहन जैसे ही पुलिया पर पहुंचते हैं, वाहन उचटकर गिर जाते हैं। रविवार शाम एक मोटरसाइकिल चालक पुलिया से उचटकर गिर गया, जिससे चालक और पीछे बैठी महिला घायल हो गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क से उखड़ी गिट्टियां वाहनों के निकलने पर तेजी से उछलती हैं, जिससे राहगीरों को चोट लगने का खतरा बना रहता है।

दिव्यांग स्वास्थ्य शिविर में परीक्षण कर दवाईयों का वितरण

संदीपनी स्कूल बड़वारा में दो दिवसीय नि:शुल्क दिव्यांग स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ जिसमें विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य परीक्षण किया और परामर्श देकर दवाइयों का वितरण किया। इस मौके पर विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह ने शिविर में आकर क्षेत्रवासियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देना उनका कर्तव्य है। मुफ्त इलाज के लिए ऐसे शिविर लगातार लगाए जाएंगे। दो दिवसीय शिविर में लगभग 4500 से अधिक दिव्यांगों का इलाज किया गया। 523 मरीजों को भोपाल बस से भेजकर उनका पूरा इलाज कर निशुल्क घर भी भेजने की व्यवस्था होगी। शिविर में नेत्र रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, शिशु रोग, त्वचा रोग सहित कई विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मौजूद थी। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक सोनी टंडन,सांसद प्रतिनिधि पद्मेश गौतम , मंडल अध्यक्ष मनीष सिंह बागरी, नितिन पांडे ,अजय सोनी ,आशीष चौरसिया , सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही ।

पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 41 प्रतिशत अधिक गेहूँ की खरीदी

जिले में अब तक 1 लाख 97 हजार मीट्रिक टन से अधिक गेहूं उपार्जित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिले में इस साल अब तक समर्थन मूल्ये पर पिछले साल की तुलना में 41 फीसदी अधिक गेहूँ की खरीदी हो चुकी है। जो एक रिकॉर्ड है। किसानों को भी उपार्जित गेहूँ के लिए अब तक करीब 279 करोड़ रूपये का भुगतान किया जा चुका है। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में 15 अप्रैल से समर्थन मूल्य पर शुरू हुये गेहूं उपार्जन में अब तक जिले के कुल 36 हजार 922 कृषकों से अब तक 1 लाख 97 हजार 246 मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है। कलेक्टरर आशीष तिवारी ने सभी किसानों को शीघ्र भुगतान करवाने के निर्देश दिये हैं। जिले में अब तक 41 हजार 78 कृषकों द्वारा स्लॉट की बुकिंग की जा चुकी है।

खरीदी में ढीमरखेड़ा अग्रणी

जिले में अब तक समर्थन मूल्य पर हुए गेहूं उपार्जन के मामले में तहसील ढीमरखेड़ा अग्रणी है। यहां अब तक की स्थिति में कुल 8,214 किसानों से 35 हजार 409 मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है। जबकि दूसरे नंबर पर तहसील बहोरीबन्द में 5,269 किसानों से 32 हजार 641 मीट्रिक टन गेहूं समर्थन मूल्य पर उपार्जित किया जा चुका है। इसी प्रकार विजयराघव गढ़ तहसील में अब तक 5,262 किसानों से 31 हजार 347 मीट्रिक टन गेहूं उपार्जित किया गया है। जबकि स्लीमनाबाद तहसील में 3,792 कृषकों से 23 हजार 371 मीट्रिक टन गेहूं उपार्जित किया जा चुका है। रीठी तहसील में 3,818 किसानों से 22 हजार 706 मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है।

इसके अलावा कटनी व कटनी नगर तहसील में कुल 3,300 किसानों से 18 हजार 513 मीट्रिक टन और बरही तहसील में 3,183 किसानों से 17 हजार 173 मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। बड़वारा तहसील में अब तक की स्थिति में 4,084 किसानों से 16 हजार 86 मीट्रिक टन खरीदी हुई है।

कलेक्टर श्री तिवारी के निर्देश पर उपार्जन केंद्रों में गेहूं विक्रय की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उपार्जन केन्द्रों में छायादार स्थान में बैठने और पेय जल की समुचित सुविधा उपलब्ध कराई गई है। केंद्र में बारदाने, तौल कांटे, सिलाई मशीन, कंप्यूटर, इंटरनेट, गुणवत्ता परीक्षण उपकरण और उपज की साफ-सफाई के लिए पंखा, छन्ना आदि की व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं।

रबी विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों से 2585 रूपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा घोषित 40 रूपये प्रति क्विंटल बोनस राशि सहित 2625 रूपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं का उपार्जन किया जा रहा है।

गेहूं के उपार्जन के लिये आवश्यक बारदानों की व्यवस्था की जा चुकी है। किसानों से आग्रह किया गया है कि वे खरीदी केंद्र में साफ-सुथरा गेंहू लायें।

गंगा दशहरा पर्व पर छपरवाह घाट में सामूहिक श्रमदान कार्यक्रम आज

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

"जल गंगा संवर्धन अभियान" के अंतर्गत गंगा दशहरा पर्व पर सोमवार 25 मई को प्रातः 10 बजे से विधायक विजयराघवगढ़ संजय सत्येन्द्र पाठक के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय सामूहिक श्रमदान एवं योगदान द्वारा जल संरक्षण एवं संवर्धन का विशेष कार्यक्रम मंगल नगर स्थित छपवाह नदी घाट में आयोजित किया गया है।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, महिला एवं स्व-सहायता समूहों, व्यापारिक एवं औद्योगिक संगठनों सहित आम नागरिकों की मौजूदगी रहेगी। कार्यक्रम का उद्देश्य जल स्त्रोतों के संरक्षण, संवर्धन के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने तथा सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना है।

नगर निगम आयुक्त सुश्री तपस्या परिहार द्वारा कार्यक्रम आयोजन की व्यवस्थाओं का प्रभारी अधिकारी उपायुक्त श्री शैलेश गुप्ता और श्रीमति प्रियंका झारिया को नियुक्त कर कार्यक्रम के सुव्यवस्थित एवं सफल आयोजन हेतु निगम की विभिन्न शाखाओं के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। कार्यक्रम स्थल पर मंच, पंडाल, माइक, पेयजल एवं बैठक व्यवस्था के साथ-साथ आमंत्रण, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, प्रचार-प्रसार, साफ-सफाई, पेयजल, सत्कार, विद्युत, फायर ब्रिगेड तथा गंगा आरती जैसी व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों की ड्यूटी निर्धारित की गई है।

कार्यक्रम के दौरान घाट क्षेत्र में साफ-सफाई तथा जल संरक्षण से जुड़े कार्यों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। नगर निगम द्वारा "श्री आर बेस्ड बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट" उत्पादों की प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी, जिससे नागरिकों को अपशिष्ट प्रबंधन एवं पुनर्चक्रण के प्रति जागरूक किया जा सके। निगमायुक्त ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सौंपे गए दायित्वों का समय पर निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर जल संरक्षण एवं संवर्धन के अभियान को सफल बनाने की अपील की गई है।

खबर संक्षेप

वन संपत्ति चोरी करने वाले के चार आरोपितों को भेजा गया हवालात

कटनी। ढीमरखेड़ा पुलिस ने वन संपत्ति चोरी के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। आरोपियों के कब्जे से फेंसिंग जाली के दो बंडल एवं दो मोटरसाइकिल जब्त की गई हैं। पुलिस के अनुसार प्रार्थी रामकुशल मिश्रा निवासी ग्राम रामपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 21 मई की रात वन विभाग के बीट प्रभारी अंकित गौतम द्वारा सूचना दी गई कि ग्राम खिरवा पोड़ी स्थित वन कक्ष पीएफ-297 एनपीबी में लगी फेंसिंग जाली कुछ लोग चोरी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस एवं वन अमले ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की।कार्रवाई के दौरान प्रदीप यादव (27), उमाकांत यादव (31), राजकुमार यादव (35) और सुरेश प्रसाद यादव (52) निवासी खिरवा पोड़ी को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से करीब 10 हजार रुपये कीमत की फेंसिंग जाली के दो बंडल तथा 55 हजार रुपये कीमत की दो मोटरसाइकिल जब्त की गईं।पूरी कार्रवाई में उनि सुरेश चौधरी, आरक्षक कमोद कोल एवं आरक्षक अजय धुर्वे की विशेष भूमिका रही।

पुलिस ने 24 घंटे में चोरी का ट्रैक्टर किया बरामद

कटनी। स्लीमनाबाद पुलिस ने ग्राम खड़रा क्षेत्र से चोरी हुए ट्रैक्टर को 24 घंटे के भीतर बरामद कर लिया। मामले में अज्ञात आरोपी की तलाश जारी है। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया तथा एसडीओपी आकांक्षा चतुर्वेदी के निर्देशन में की गई। पुलिस के अनुसार फरियादी सुरेंद्र कुमार गुप्ता निवासी ग्राम कुआं थाना बड़वारा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उन्होंने ट्रैक्टर क्रमांक MP 20 AA 2451, मॉडल स्वराज 735 FE वर्ष 2010, 21 मई को राइस मिल के पास खड़ा किया था। अगले दिन मौके पर पहुंचने पर ट्रैक्टर गायब मिला तथा गेट का ताला टूटा हुआ था।रिपोर्ट पर थाना स्लीमनाबाद में अपराध क्रमांक 317/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने चोरी गए ट्रैक्टर को ग्राम रामपुर क्षेत्र से लावारिस हालत में बरामद कर लिया। कार्रवाई में थाना प्रभारी सुदेश कुमार, सउनि मथुरा प्रसाद, प्रधान आरक्षक अंकित दुबे, आरक्षक अभिषेक राजावत तथा सैनिक राजकुमार परोहा की भूमिका रही।

कलेक्टर ने राजस्व विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

अधिकारियों को सख्त हिदायतः जवाबदारी से करें कार्य, नहीं तो दंडात्मक कार्यवाही के लिये रहे तैयार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिले में राजस्व प्रशासन को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और परिणाम मूलक बनाने की दिशा में कलेक्टर आशीष तिवारी ने राजस्व विभाग की व्यापक समीक्षा बैठक लेकर अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। बैठक में राजस्व प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण, किसानों से जुड़ी योजनाओं की प्रगति, जनगणना कार्य, फॉर्मर आईडी निर्माण, सीएम हेल्पलाइन शिकायतों तथा राजस्व अभिलेखों के डिजिटाइजेशन सहित विभिन्न विषयों की गहन समीक्षा की गई।

कलेक्टर श्री तिवारी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि 31 मार्च की स्थिति में दर्ज जिले के सभी पात्र भू-स्वामियों का अनिवार्य रूप से पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र किसान योजना के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए प्रत्येक हल्का पटवारी से प्रमाण-पत्र प्राप्त किया जाए कि उसके क्षेत्र के सभी पात्र किसानों का पंजीयन पूर्ण हो चुका है।

बैठक में जानकारी दी गई कि जनगणना 2027 अंतर्गत जिले में मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। इस उपलब्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले में ताला बंद पाए गए 620 मकानों का पुनः भ्रमण कर 30 मई के पूर्व जानकारी अद्यतन की जाए, ताकि प्रत्येक परिवार का डेटा सही रूप से दर्ज हो सके।

फॉर्मर आईडी निर्माण की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिला पंजीयक कार्यालय से तहसीलवार भूमि रजिसट्रियों की जानकारी लेकर प्रत्येक नए भूमिस्वामी का अनिवार्य रूप से फॉर्मर रजिस्ट्रेशन कराया जाए। उन्होंने एसडीएम को तहसीलवार एवं हल्कावार प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

राजस्व वसूली एवं नामांतरण कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री तिवारी ने कहा कि फौती नामांतरण के एक भी प्रकरण लंबित नहीं रहने चाहिए। विशेष रूप से ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए पात्र परिवारों को शीघ्र राहत प्रदान की जाए। उन्होंने तहसीलदारों को अधिक राजस्व वसूली वाले ग्रामों की सूची तैयार कर विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए।

गिरदावरी में नहीं चलेगी कोताही

कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि 30 जून तक जायद फसलों मूंग एवं उड़द की गिरदावरी की जानी है और रिकॉर्ड में केवल वास्तविक रूप से बोई गई फसल ही दर्ज की जाए। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को पटवारियों के कार्यों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश देते हुए कहा कि गिरदावरी कार्य पूरी पारदर्शिता और गंभीरता से संपन्न होना चाहिए।

समय पर प्रकरण निराकृत नहीं हुए तो होगी दंडात्मक कार्रवाई

बंटवारा, नामांतरण एवं सीमांकन प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने दो टूक शब्दों में कहा कि सभी आवेदन तय समय-सीमा में निराकृत किए जाएं। अन्यथा संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत दंडात्मक एवं जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। समीक्षा के दौरान रीठी तहसीलदार आकांक्षा चौरसिया, बिलहरी नायब तहसीलदार अनुराधा सिंह तथा कन्हवारा एवं मझगवां नायब तहसीलदार अवंतिका तिवारी की अपेक्षाकृत कम प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने तत्काल सुधार लाने और लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री तिवारी ने कहा कि शिकायतों का निराकरण केवल औपचारिकता नहीं बल्कि प्रशासन की संवेदनशीलता का मापदंड है। उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने तथा लंबे समय से लंबित शिकायतों के समाधान हेतु विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। साथ ही एसडीएम स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग और तहसीलदारों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया।बैठक में साइबर तहसील, पीएम किसान आधार लिंकिंग, ई-केवाईसी, सिर्फ रजिस्ट्रेशन, आरसीएमएस पोर्टल में दर्ज प्रकरणों, राजस्व अभिलेखों के डिजिटाइजेशन तथा सातवीं लघु सिंचाई संगणना कार्यों की भी विस्तार से समीक्षा की गई।

अब तक 1582.8 मीट्रिक टन उपज की हुई खरीदी

कटनी। रबी वर्ष 2025-26 (विपणन वर्ष 2026-27) में समर्थन मूल्य पर जिले में चना एवं मसूर का उपार्जन निरंतर जारी है। उपार्जन हेतु कलेक्टर आशीष तिवारी की निगरानी एवं निर्देश पर जिले में स्थापित 6खरीदी केन्द्रों में अब तक 1,070 किसानों से कुल 1,582.8 मीट्रिक टन उपज की खरीदी की जा चुकी है।जिसमें 706 किसानों से 981.4 मीट्रिक टन चना एवं 364 किसानों से 601.4 मीट्रिक टनमसूर का उपार्जन किया जा चुका है। परिवहन व्यवस्था में तेजी लाते हुए अब तक खरीदे गए चने में से 816.25 मीट्रिक टन और मसूर में से 464.35 मीट्रिक टन का सुरक्षित परिवहन किया जा चुका है। जिले में इस वर्ष चने का समर्थन मूल्य 5 हजार 875 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, जो पिछले वर्ष के 5 हजार 650 रुपये से अधिक है। पंजीकरण के आंकड़ों पर नजर डालें तो इस वर्ष 4 हजार 624 किसानों ने पंजीकरण कराया है, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या केवल 1 हजार 1884 थी। इसी प्रकार मसूर के लिए इस वर्ष समर्थन मूल्य 7 हजार रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है, जबकि पिछले वर्ष समर्थन मूल्य 6 हजार 700 रुपये था। इस वर्ष कुल 1 हजार 619 किसानों ने मसूर उपार्जन हेतु पंजीयन कराया है।

30 दिन में राशि जमा नहीं किया तो लायसेंस किया जाएगा निरस्त

जांच में अमानक निकली बर्फी, दुकान संचालक पर 25 हजार रुपये का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

अमानक और मिथ्याछाप बर्फी बेचने के मामले में न्याय निर्णायक अधिकारी एवं अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा ने कटनी के बस स्टैंड स्थित लल्लू टी स्टॉ ल पर 25 हजार रुपये का आर्थिक दंड लगाया है। इसके साथ ही 30 दिवस के भीतर जुर्माना राशि जमा न करने पर प्रतिष्ठान का लाइसेंस निरस्त करने की चेतावनी भी दी गई है।

यह है पूरा मामला

खाद्य सुरक्षा अधिकारी ओम प्रकाश साहू 28 अक्टूषबर 2024 को कटनी के बस स्टैंड स्थित 'लल्लू टी स्टॉल' औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान दुकान संचालक मनसुखलाल जायसवाल पिता छेदीलाल जायसवाल द्वारा दुकान में बिक्री के लिए रखी गई 'बर्फी (लूज)' की गुणवत्ता पर संदेह हुआ। जिसके बाद खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए बर्फी के 500-500 ग्राम के चार नमूने (सैंपल) जांच के लिए लिए थे। इन नमूनों को सील बंद कर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा गया था।

जांच में फेल हुआ सैंपल

भोपाल प्रयोगशाला से आई जांच रिपोर्ट में इस बर्फी को 'मिथ्याछाप' घोषित किया गया। रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने 'खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006' की धारा 26(2)(ii) और सहपठित धारा 52 के उल्लंघन का मामला दर्ज करते हुए न्यायालय में परिवाद पेश किया था।

सुनवाई में अनुपस्थित रहा प्रतिष्ठान संचालक

न्यायालय द्वारा आरोपी दुकानदार मनसुखलाल जायसवाल को अपना पक्ष रखने और जवाब प्रस्तुत करने के लिए कई बार नोटिस जारी कर तलब किया गया था। इसके बावजूद, न तो वह अदालत में हाजिर हुआ और न ही उसकी ओर से कोई जवाब या सफाई पेश की गई। इसे अदालत ने अपराध की मूक स्वीकृति मानते हुए मामले की एकतरफा सुनवाई की।

अपर कलेक्टर एवं न्याय निर्णायक अधिकारी ने दोषी पाए जाने पर दुकानदार पर 25 हजार रूपये का जुर्माना लगाया गया है। साथ ही अर्थदंड की राशि निर्धारित ट्रेजरी चालान के माध्यम से हैड क्रमांक 0210 चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य, 04- लोक स्वास्थ्य, 104- शुल्क एवं अर्थ दंड आदि (0754) खाद्य अपमिश्रण एवं औषधि नियंत्रण के अंतर्गत लाइसेंस फीस अर्थदंड आदि के खाते में 30 दिवस के भीतर जमा कर चालान की प्रति इस न्यायालय में जमा करने हेतु निर्देशित किया गया है।

जुर्माना राशि जमा करने और चालान की प्रति न्यायालय में पेश करने के लिए 30 दिनों का समय दिया गया है।यदि 30 दिनों के भीतर जुर्माना राशि जमा नहीं की जाती है, तो खाद्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 96 के तहत दुकानदार का व्यापारिक लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

नो पार्किंग में खड़े वाहनों पर की गई चालानी कार्रवाई

यातायात पुलिस द्वारा प्रमुख मार्गों एवं व्यस्त चौराहों पर पैदल भ्रमण कर व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक अनूप सिंह अपने दल-बल के साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पैदल मार्च करते हुए यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करते नजर आए। इस दौरान अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों को हटवाया गया तथा नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों पर चालानी एवं ई-चालान की कार्रवाई की गई ।निरीक्षण के दौरान आमजन को यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित स्थानों पर वाहन पार्क करने तथा सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की समझाइश भी दी गई। साथ ही सड़क पर लगाए गए डिवाइडर कोन एवं यातायात संकेतकों को व्यवस्थित कराया गया, जिससे यातायात संचालन सुचारु बना रहे। अभियान में यातायात सूबेदार सोनम उइके, उप निरीक्षक अशोक सिंह एवं आरक्षक राजकुमार सहित यातायात थाना के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। कटनी पुलिस ने शहरवासियों से अपील की है कि यातायात नियमों का पालन करें, नो पार्किंग क्षेत्रों में वाहन खड़े न करें तथा सुरक्षित एवं व्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।

शहर में चिन्हित जर्जर भवनों को ढहाने निगम प्रशासन द्वारा की जा रही कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

शहर में जगह जगह चिन्हित जर्जर भवनों को ढहाने के लिये निगम प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। संभावित बड़े हादसे को रोकने के लिए नगर निगम द्वारा पूर्व में ही शहर के खतरनाक और जर्जर भवनों को चिन्हित किया गया था। रविवार को शहर के व्यस्ततम इलाके सिल्वर टॉकीज रोड पर स्थित एक अत्यंत जर्जर भवन को जमींदोज करने की कार्यवाही प्रारंभ की गई। सिल्वर टॉकीज रोड पर स्थित यह पुराना भवन लंबे समय से जर्जर स्थिति में था। व्यस्त मार्ग होने के कारण यहाँ से रोज़ हजारों राहगीर और वाहन गुजरते हैं। बारिश के दिनों में इसके ढहने का पूरा अंदेशा था, जिससे आसपास के दुकानदारों और आम जनता के सिर पर हमेशा खतरा मंडरा रहा था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए निगमायुक्त ने इसे तत्काल हटाने के सख्त निर्देश दिए। निगमायुक्त के आदेश मिलते ही नगर निगम का अतिक्रमण रोधी दस्ता और तकनीकी टीम जेसीबी व अन्य आवश्यक उपकरणों के साथ मौके पर पहुँची। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने और सुरक्षा के लिहाज से मौके पर पुख्ता इंतजाम किए गए थे। अमले ने क्रेन और कटर की मदद से भवन के खतरनाक हिस्सों को गिराने का काम शुरू कर दिया है। कार्यवाही के दौरान कुछ समय के लिए मार्ग पर आवागमन को भी डाइवर्ट किया गया। निगम प्रशासन का कहना है कि जनसुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। मानसून के दौरान अक्सर पुरानी इमारतें ढहने से हादसे होते हैं, जिन्हें रोकने के लिए यह एहतियाती कदम उठाया गया है। शहर के अन्य हिस्सों में भी ऐसे खतरनाक भवनों को चिन्हित कर नोटिस दिए जा रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर मिशन लाइफ का कार्यक्रम आयोजित

पर्यावरण संतुलन में जीव जंतुओं का महत्वपूर्ण भूमिका, प्रजातियों के विलुप्त होने से नुकसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

शासकीय कन्या महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन प्राणीशास्त्र विभाग, मिशन लाइफ एवं इको क्लब के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय "वैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय स्तर पर कार्य करना" रहा, जो कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता फ्रेमवर्क के 2030 के लक्ष्यों को प्राप्त करने में व्यक्तिगत और सामुदायिक स्थानीय प्रयासों के महत्व पर जोर देता है।

प्रभारी प्राचार्य डॉ. विमला मिंज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जैव विविधता संरक्षण के लिए स्थानीय स्तर पर किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कॉलेज परिसर में पौधरोपण, जल संरक्षण, वेस्ट मैनेजमेंट और पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से चलाए जा रहे हैं। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित किया कि छोटे-छोटे बदलाव भी बड़े वैश्विक परिणाम ला सकते हैं।

डॉ. रोशनी पाण्डेय ने जैव विविधता के अंतर्गत आने वाली संकटापन्न जंतु प्रजातियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने वन्यजीवों के विलुप्त होने के कारणों, जैसे आवास ह्रास, अवैध शिकार और जलवायु परिवर्तन पर चर्चा की। उन्होंने छात्राओं को समझाया कि हर जीव पर्यावरण की संतुलित व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि एक प्रजाति भी विलुप्त होती है तो समूचे पारिस्थितिकी तंत्र पर इसका गहरा प्रभाव पड़ता है।

डॉ. रीना मिश्रा ने वनस्पतियों एवं पेड़-पौधों के महत्व पर छात्राओं के साथ सार्थक चर्चा की। उन्होंने बताया कि पौधे न केवल ऑक्सीजन प्रदान करते हैं बल्कि मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने, जलवायु नियंत्रण और जीव-जंतुओं के आवास के रूप में भी कार्य करते हैं। उन्होंने स्थानीय स्तर पर पौधों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए व्यावहारिक सुझाव भी दिए। डॉ. रश्मि चतुर्वेदी ने लाइफ मिशन के अंतर्गत इको क्लब की जानकारी प्रदान की। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, जागरूकता और छात्रों की सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया।

कार्यक्रम की सबसे आकर्षक कड़ी छात्राओं द्वारा तैयार किए गए पोस्टर प्रदर्शनी और स्लोगन प्रतियोगिता रही।

राहगीरी डे' पर हर कदम पर गूंजा 'हमारा शहर, हमारी जिम्मेदारी' का नारा

स्वच्छ सर्वेक्षण में कटनी शहर को नंबर वन बनने लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

रविवार की सुबह गर्ग चौराहा से कारगिल चौक तक की सड़क सिर्फ वाहनों के लिए नहीं, बल्कि हौसलों, उम्मीदों और स्वच्छता के संकल्पों के लिए खुली थी। मौका था 'राहगीरी डे' 2026 के सातवें संस्करण का, जहां कटनी ने साबित कर दिया कि स्वच्छता कोई सरकारी फाइल नहीं, जन-जन की भावना है। आयोजन के दौरान महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी, जिलाध्यक्ष दीपक टंडन सोनी, नगर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक, निगम आयुक्त सुश्री तपस्या परिहार, चिकित्सक, उद्योगपति, समाजसेवी संगठन गणमान्य नागरिक, छात्र, छात्रा, शिक्षक शिक्षिका, युवा, बुजुर्ग, सहित नगर निगम के अधिकारी कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों की काफी संख्या में मौजूदगी रही।

सड़कें जब मंच बनीं तो कटनी का असली चेहरा सामने आया। कोई योग मैट पर तन को साध रहा था, तो कोई जुंबा की धुन पर मन को। कहीं नन्हे कदम स्केटिंग पर फिसलते हुए भविष्य की उड़ान भर रहे थे, तो कहीं साइकिल के पहिए स्वस्थ कटनी का संदेश दे रहे थे। रंगोली के रंगों में स्वच्छता की तस्वीर उकेरी गई, और नुक्कड़ नाटक की तालियों में पर्यावरण बचाने की गूंज सुनाई दी। यह राहगीरी डे सिर्फ मस्ती नहीं थी। हर गतिविधि के केंद्र में था एक ही संदेश - 'स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 में कटनी को अव्वल बनाना है'। 'फोर बिन प्रेजेंटेशन' ने बताया कि कचरा नहीं, हमारी आदतें समस्या हैं। 'प्लास्टिक को ना' की तख्तियों ने सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ जंग का ऐलान किया। हस्ताक्षर अभियान के बोर्ड पर जब सैकड़ों हाथों ने दस्तखत किए, तो लगा जैसे पूरे शहर ने एक साथ स्वच्छता की शपथ ली हो।

महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनों को स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए कहा कि राहगीरी डे ने दिखा दिया कि जब सड़कें जनता की होती हैं, तो संदेश सीधे दिल तक पहुंचते हैं। स्वच्छ सर्वेक्षण कोई प्रतियोगिता नहीं, आदत बदलने का आंदोलन है। और इस आंदोलन के असली हीरो आप सब हैं।ह राहगीरी डे' ने एक बार फिर साबित किया कि शहर तब बदलता है जब नागरिक चलते हैं, रुकते हैं, सोचते हैं और कदम उठाते हैं। कटनी ने आज सिर्फ सड़क पर कदम नहीं रखा, स्वच्छता की नई इबारत लिख दी।

कार्यक्रम में नागरिकों ने जहां राहगीरी डे के सेल्फी पॉइंट के साथ फोटो ली। वही क्यू आर कोड स्कैन कर स्वच्छता का फीडबैक देकर जागरूक नागरिक का कर्तव्य निभाया। इस दौरान इको ब्रिक्स, अनुपयोगी सामग्री से सुंदर कलाकृति, रैन वाटर हार्वेस्टिंग का भी संदेश प्रसारित किया जाकर नागरिकों को जागरूक किया गया। वही मैजिक शो एवं रसकला संगीत विद्यालय की नन्ही बच्चियों ने अपनी प्रस्तुति से लोगों को अचंभित कर दिया। कार्यक्रम समाप्ति के पूर्व विजेता प्रतिभागियों को तुलसी का गमला भेट कर स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रसारित किया गया।

कटनी जंक्शन में युवक की मिली लाश

कटनी। कटनी जंक्शन पर एक युवक का शव पड़ा मिलने से भीड़ जमा हो गई। सूचना पर रेल अधिकारी एवं जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक अचेत अवस्था में पड़ा हुआ था। सूचना मिलने पर डॉक्टर को बुलाया गया, जिन्होंने परीक्षण के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। मृतक की उम्र लगभग 40 से 45 वर्ष बताई जा रही है। रेल अधिकारियों से मेमो मिलने के बाद पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। मृतक के पास से कोई पहचान संबंधी दस्तावेज नहीं मिले हैं, जिससे उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस मृतक की पहचान एवं उसके परिजनों के संबंध में जानकारी जुटाने में लगी हुई है।एम्बुलेंस के माध्यम से आरक्षक सौरभ सिसराठ के साथ शव को जिला अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस पहुंचाया गया।

जैव विविधता पृथ्वी पर जीवन को सुरक्षित रखने का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

शासकीय महाविद्यालय बरही में पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत अंतराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में प्रभारी डॉ. अरविन्द सिंह ने बताया कि पूरी दुनिया में 22 मई को विश्व जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों को जैव विविधता अर्थात पृथ्वी पर पाये जाने वाले जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों एवं प्राकृतिक संसाधनों का महत्व बताना एवं उनके प्रति जागरूक करना है। साथ ही उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पृथ्वी पर जीवन को सुरक्षित रखने का संकल्प है। जैव विविधता प्रकृति की अमूल्य धरोहर है, जो मानव जीवन और पर्यावरणीय संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि हम आज इसके संरक्षण के लिए ठोस कदम नहीं उठाएंगे तो भविष्य में मानव को गंभीर संकटों का सामना करना पड़ सकता है। प्रकृति और विकास के बीच संतुलन बनाना आवश्यक एवं हम सबकी जिम्मेदारी है।

भारी मात्रा में आज पेड़ काटे जाने, जल एवं वायु प्रदूषण के चलते बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग की समस्या पूरे विश्व में जैव विविधता के लिए खतरे का संकेत है। साथ ही हमें यह समझना होगा कि पृथ्वी केवल मनुष्यों की नहीं, बल्कि पृथ्वी में पाये जाने वाले समस्त जीवों की साझी धरोहर है। पृथ्वी का जैव विविधता में संतुलन बिगड़ना सभी के लिए एक बड़ी समस्या है। जैव विविधता संरक्षण में आम लोगों की भागीदारी भी बेहद जरूरी है।

खबर संक्षेप

जमीन विवाद में महिला से मारपीट, दो पर केस दर्ज

अमानगंज। पन्ना जिले के मेहंगवा खुर्द गांव में जमीन विवाद को लेकर महिला से मारपीट का मामला सामने आया है। फरियादिया सुजाता उर्फ सरिता बागरी निवासी टिकुरिया मोहल्ला पन्ना ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 16 मई को वह अपनी छोटी बहन के साथ गांव अनाज लेने गई थी। इसी दौरान बड़े ससुर जगदीश चौहान ने गाली-गलौज करते हुए डंडे से हमला कर दिया। महिला का आरोप है कि जगदीश चौहान ने उसके हाथ में डंडा मारा, वहीं उसका बेटा शनि चौहान भी मारपीट में शामिल हो गया, जिससे उसके पैर में चोट आई। शोर मचाने पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव किया। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी।घायल महिला ने पन्ना जिला अस्पताल में इलाज कराने के बाद रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उप संचालक पशु ने किया औचक निरीक्षण

कटनी। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देशानुसार शुक्रवार को उपसंचालक पशुपालन डॉ. आर के सोनी ने विकासखंड बहोरीबंद अंतर्गत ग्राम पटीकला-सलैयाकला स्थित सुरभि गौशाला तथा पशु चिकित्सालय बाकल एवं बहोरीबंद का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। गौशाला निरीक्षण के दौरान स्व-सहायता समूह की सचिव श्रीमती बिल्की बाई एवं कर्मचारियों को गौवंश के समुचित प्रबंधन, स्वच्छता, चारा-पानी की उपलब्धता एवं नियमित देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही गौशाला संचालन को व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। वहीं पशु चिकित्सालयों के निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों एवं स्टाफ को शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं क्षीरधारा एवं हिरण्यगर्भा अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विशेष कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम में गति लाते हुए निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।

जिला स्तरीय कोल समिति की बैठक में हुई चर्चा

कटनी। जिले में औद्योगिक इकाइयों को कोयले की आपूर्ति से जुड़े मामलों पर निर्णय लेने के लिए कलेक्टर आशीष तिवारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कोल समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी और उद्योग संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में जिला व्यापार एवं उद्योग विभाग की महाप्रबंधक ज्योति सिंह चौहान ने समिति को शासन के नियमों एवं निर्देशों से अवगत कराया।
विशेष रूप से उन्होंने वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान लघु उद्योग निगम के माध्यम से कोयले की अनुशंसा की प्रक्रिया पर विस्तार से जानकारी दी। समिति के समक्ष कुल 37 इकाइयों के आवेदन प्रस्तुत किए गए, जिनमें 35 चूना इकाइयाँ और 2 रिफेक्टरीज इकाइयाँ शामिल हैं। इन सभी आवेदनों पर विचार-विमर्श करते हुए कलेक्टर एवं समिति अध्यक्ष श्री तिवारी ने निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों में नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

राहगीरी डे का आयोजन आज, होंगी गतिविधियां

कटनी। शहरवासियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं फिटनेस को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा आज 24 मई को प्रातः 7 बजे से गर्ग चौराहा से कारगिल चौक मार्ग पर 'राहगीरी डे' कैंपेन 2026 का सातवां भव्य आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन नागरिकों को स्वच्छ, स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के साथ सामाजिक सहभागिता और जनजागरूकता का प्रभावी मंच बनेगा। कार्यक्रम में फोर बिन प्रेजेंटेशन, प्लास्टिक प्रतिबंध जागरूकता, नुक्कड़ नाटक एवं हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाएगा।

बरसात में अंतिम संस्कार करने में होगी असुविधा

श्मशान घाट चबूतरे के टीन शेड गायब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गैसाबाद

पिछली पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत ग्राम की व्यारमा नदी के किनारे श्मशान घाट पर चबूतरे का निर्माण पिछले सरपंच के कार्यकाल में कराया गया था जिस पर टीन सेट लगाकर बरसात के मौसम में अंतिम संस्कार करने की सुविधा शासन द्वारा प्रदान की गई थी। लेकिन निर्माण एजेंसी द्वारा घटिया मटेरियल का उपयोग कर गुणवत्ताहीन निर्माण कर खानापूर्ति की गई थी जिसके कारण मात्र 1 वर्ष में ही श्मशान घाट का चबूतरा क्षतिग्रस्त हो चला था और चबूतरे के ऊपर लगाए गए टीन सेट के चद्दर (नलीया) तो हवा में ताश के

पत्ते की तरह बिखर कर गायब हो गए थी तब से लेकर यह चबूतरा आज तक ऐसे ही पड़ा हुआ है। लोगों ने हरिभूमि को बताया कि इस चबूतरे का शायद ही एक दो बार उपयोग हुआ हो बाकी जब से अब तक ऐसे ही अनुपयोगी पड़ा हुआ है जिसका कोई इस्तेमाल नहीं होता है, यहां पर विचारणीय पहलू यह है कि एक ओर जहां सरकार बजट खर्च करके लोगों की सुविधा के लिए योजनाएं संचालित करती है वहीं दूसरी ओर प्रशासन में बैठे उच्च अधिकारीयों की अनदेखी के चलते एवं पंचायतो में व्याप्त अनियमिकताओं के कारण शासन की योजनाओं का समुचित लाभ आम जन को पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं हो पता है। तस्वीर में आप साफ देख सकते हैं कि श्मशान घाट के चबूतरे पर पाइप तो खड़े हुए हैं लेकिन पाइप के ऊपर का टीन सेट गायब है, इस खुले पड़े हुए चबूतरे पर बरसात के मौसम में अंतिम संस्कार कैसे हो पाएगा? शासन द्वारा बरसात के मौसम में ही अंतिम संस्कार करने के लिए गांव-गांव में टीन सेट वाले चबूतरो का निर्माण कराया गया था, लेकिन जब चबूतरे पर टीन सेट ही नहीं है तो फिर लोग खुले में अंतिम संस्कार कैसे कर पाएंगे, ग्रामीण जनो खुले पड़े चबूतरे के ऊपर टीन सेट लगाए जाने एवं क्षतिग्रस्त चबूतरे का सुधार किए जाने की मांग की है।

मित्रता निभाना द्वारिकाधीश श्री कृष्ण से सीखना चाहिए: कथा वाचक कृष्ण कुमार गर्ग

दमोह। सागर नाका में चल रहीश्रीमद् भागवत कथा के सातवे दिवस में कथा वाचक कृष्ण कुमार गर्ग ने बताया कि एक मित्र ब्राह्मण भगवान श्री कृष्ण के परम मित्र थे बड़े ज्ञानी विषयों से विरक्तशांतिचित्र तथा जितेंद्रिय थे। वे गृहस्थी होकर भी किसी प्रकार का संग्रह परिग्रह न करने प्रारब्ध अनुसार जो भी मिल जाता उसी में संतुष्ट रहते थे। उनके वस्त्र फटे पुराने थे उनकी पत्नी के वस्त्र भी वैसे ही थे उनकी पत्नी का नाम सुशीला था नाम के अनुसार वह शीलवती भी थीं, वह दोनों भिक्षा मांगकर लाते और उसे ही खाते , लेकिन यह बहुत दिन तक नहीं चल सका कुछ वर्षों के बाद सुशीला इतनी कमजोर हो गई की चलने फिरने में उसका शरीर कांपने लगता। तब सुशीला का धैर्य थोड़ा काम हुआ और उन्होंने सुदामा से प्रार्थना की की वह अपने बचपन के मित्र श्री कृष्ण के पास जाएं वे शरणागतवत्सल है। यदि अपनी स्थिति से उनको परिचय कराएंगे तो वह अवश्य ही हमारी मदद करेंगे ऐसा सुनकर वह अपनी पत्नी से बोले यदि कोई भेंट देने योग्य वस्तु है तो देदो तब सुशील ने पड़ोस के घर से चार मुट्ठी तंदुल मांगी और अपनी साड़ी का एक टुकड़ा फाड़ का उसमें बंद कर दे दिया सुदामा चल पड़े चलते-चलते वह जंगल के रास्ते समुद्र के पास पहुंचे भूख और प्यास से व्याकुल होकर वह वही रास्ते में ठक्कर सो गए श्री कृष्णा अंतर्यामी तो थे। उन्होंने देखा उनका प्रेमी भक्ति सुदामा उनसे मिलने आ रहा है। वह नहीं जानते थे कि सुदामा को किसी प्रकार का कष्ट हो ।इसीलिए उन्होंने योग माया से जैसा कहा उन्होंने वैसा ही किया जब प्रातः काल सुदामा ने अपनी आंख खोली तो देखा कि वह द्वारका देश भगवान कि यहां जय जयकार हो रही थी सुदामा कि भगवान से भेंट होती है। अंग पर अरुण तिवारी और तबला पर शशांक श्रीवास्तव और पवन आचार्य राजेश गर्ग और सभी भक्त मंडल उपस्थित रहे।

मित्रता हो तो श्रीकृष्ण और सुदामा जैसी

लगातार सात दिनों तक श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने से जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्ति मिलती है और बैकुंठ का फल प्राप्त होता है किशोरी वैष्णवी गर्ग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दमोह

श्री देव श्यामलाधीश प्यासी मंदिर पुरुषोत्तम माह में चल रही सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के सातवें दिन कथा व्यास किशोरी जी ने विभिन्न प्रसंगों पर प्रवचन दिए। परसोत्तम महीने में यह कथा सुनने से पितर प्रसन्न होते हैं और उन्हें जीवन-मृत्यु के चक्र से मुक्ति मिल सकती है. कथा के सातवें दिन का संबंध भगवान कृष्ण की लीलाओं से होता है, और इसे सुनने से व्यक्ति के सभी पापों से मुक्ति मिलती है। किशोरी जी ने कहा इस कथा को सुनने से पितर बहुत प्रसन्न होते हैं और उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है, जैसा कि भगवान शिव ने पार्वती जी को बताया है। शास्त्रों के अनुसार, लगातार सात दिनों तक श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने से जन्म-मृत्यु के चक्र

से मुक्ति मिलती है और बैकुंठ का फल प्राप्त होता है। सातवें दिन भगवान कृष्ण की विभिन्न लीलाओं का वर्णन किया जाता है। इसमें सुदामा चरित्र और सुदामा तथा कृष्ण की मित्रता का प्रसंग भी बताया जाता है। यह दिन पितरों के उद्धार और कल्याण के लिए संकल्पित होता है। व्यक्ति के पापों से मुक्ति मिलती है और उन्हें शुद्ध आत्मा प्राप्त होती है। कथा ब्यास किशोरी वैष्णवी गर्ग जी ने सातवें दिन कृष्ण के अलग-अलग लीलाओं का वर्णन किया। मां देवकी के कहने पर छह पुत्रों को वापस लाकर मां देवकी को वापस देना सुभद्रा हरण का आख्यान कहना एवं सुदामा चरित्र का वर्णन करते हुए किशोरी जी ने बताया कि मित्रता कैसे निभाई जाए यह भगवान श्री कृष्ण सुदामा जी से समझ सकते हैं।उन्होंने कहा कि सुदामा अपनी पत्नी के आग्रह पर अपने मित्र से सखा सुदामा मिलने के लिए द्वारिका पहुंचे। उन्होंने कहा कि सुदामा द्वारिकाधीश के महल का पता पूछा और महल की ओर बढ़ने लगे द्वार पर द्वारपालों ने सुदामा को भिक्षा मांगने वाला समझकर रोक दिया। तब उन्होंने कहा कि वह कृष्ण के मित्र हैं इस पर द्वारपाल महल में गए और प्रभु से कहा कि कोई उनसे मिलने आया है। अपना नाम सुदामा बता रहा है जैसे ही द्वारपाल के मुंह से उन्होंने सुदामा का नाम सुना प्रभु सुदामा सुदामा कहते हुए तेजी से द्वार की तरफ भागे सामने सुदामा सखा को देखकर उन्होंने उसे अपने सीने से लगा लिया। सुदामा ने भी कन्हैया कन्हैया कहकर उन्हें गले लगाया दोनों की ऐसी मित्रता देखकर सभा में बैठे सभी लोग अचंभित हो गए। कृष्ण सुदामा को अपने राज सिंहासन पर बैठाया हुआ। उन्हें कुबेर का धन देकर मालामाल कर दिया। जब जब भी भक्तों पर विपदा आ पड़ी है। प्रभु उनका तारण करने अवश्य आए हैं।कथा व्यास किशोरी वैष्णवी गर्ग जी ने कहा कि जो भी पुरुषोत्तम माह में श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करता है उसका जीवन तर जाता है। कल हवन पूजन एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा। किशोरी वैष्णवी गर्ग जी की आगामी कथा - 26 मई मंगलबार से 2 जून तक आयोजित होगी।

भगवान का न्याय सबके लिए एक सा है चाहे वह राजा हो या निर्धन उसे अपने कर्मों का फल भोगना ही पड़ता है - पं रवि शास्त्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दमोह

स्थानीय अथाई आमचौपरा मार्ग पर स्थित श्रीदेव रासबिहारी मंदिर परिसर में द्वितीय ज्येष्ठ पुरुषोत्तम मास के अवसर पर दिव्य भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा प्रारंभ हुई कथा व्यास आचार्य पंडित रवि शास्त्री महाराज ने कहा कि अच्छे या बुरे कर्मों का फल सबके लिए भोगना पड़ता है। चाहे वह राजा हो निर्धन हो अथवा कोई भी हो भगवान के न्याय में कर्म का दंड सबके लिए एक सा मिलता है एक बार कुछ चोरों ने राजकोष से चोरी की चोरी का समाचार फैला राज कर्मचारी चोरों की खोज में भागे चोरों का पीछा किया। चोर घबरा गए चोरी के धन के साथ भागना मुश्किल था। मार्ग में मांडव्य ऋषि का आश्रम आया चोर आश्रम में चले गए चोरों ने चोरी का धन आश्रम में छिपा दिया और वहां से भाग गए सैनिक पीछा करते हुए मांडव्य ऋषि के आश्रम में आ गए। छानबीन की चोरी का धन बरामद कर दिया मांडव्य ऋषि ध्यान में थे। राज कर्मचारियों की भाग दौड़ की आवाज से उनका ध्यान भंग हुआ उन्होंने मांडव्य ऋषि को ही चोर समझा उन्हें पकड़ लिया और राजा के पास ले गये राजा ने सूली पर चढ़ने की सजा सुना दी। मांडव्य ऋषि को सूली स्थल पर लाया गया वह वहीं मंत्र का जाप करने लगे राज कर्मचारियों ने उन्हें सूली पर चढ़ा दिया सूली पर चढ़ाने के बाद भी ऋषि को कुछ भी नहीं हुआ तब राजा आश्चर्य चकित हो गए। यह निश्चित ही कोई तपस्वी है राजा को पश्चाताप हुआ ऋषि से क्षमा मांगी ऋषि ने कहा राजन मैं तुम्हें तो क्षमा कर दूंगा लेकिन धर्मराज को क्षमा नहीं करूंगा पूछूंगा मुझे मृत्युदंड क्यों दिया गया जब मैंने कोई पाप नहीं किया था मैं न्यायाधीश धर्मराज को दंड दूंगा अपने तपोबल से मांडव्य ऋषि धर्मराज की सभा में गए धर्मराज से पूछा धर्मराज जब मैंने कोई पाप नहीं किया था तो मुझे मृत्युदंड क्यों दिया गया मेरे किस पाप का दंड आपने दिया ऋषि के पूछने पर धर्मराज भी हिल गए धर्मराज ऋषि से नहीं डरे ऋषि की तप साधना से डरे तप से ऋषियों की देह और वचन पवित्र हो जाते हैं इसीलिए जो कह देते हैं हो जाता है तप ही व्यक्ति को पवित्र करता है भक्ति ही आदमी को पवित्र करती है ऋषि का प्रश्न सुन धर्मराज कांप गए। कहा ऋषिवर जब आप तीन वर्ष के थे तो आपने एक तितली को कांटा चुभोया था उसी पाप के कारण ही आपको यह दंड मिला जाने अनजाने में जो भी पाप किया जाए उसका दंड भी भुगतना ही पड़ता है परमात्मा को पुण्य तो अर्पण किए जा सकते हैं पाप नहीं मांडव्य ऋषि ने कहा शास्त्र के अनुसार यदि अज्ञानवश कोई मनुष्य पाप करता है तो उसका दंड उसे स्वप्न में दिया जाना चाहिए लेकिन आपने शास्त्र के विरुद्ध निर्णय कियाअज्ञानावस्था में किए गए पाप का फल आपने मुझे मृत्युदंड के रूप में दिया आपको मेरे उस पाप का दंड मुझे स्वप्न में ही देना चाहिए था धर्मराज तुमने मुझे गलत ढंग से शास्त्र के विरुद्ध दंड दिया है यह तुम्हारी अज्ञानता है। इसी अज्ञान के कारण ही में तुम्हें शाप देता हूं कि तुम दासी पुत्र के रूप में जन्म लो मनुष्य योनि में जाओ मैत्रेय ऋषि कहते हैं। बस विदुर इसी कारण तुम्हें मनुष्य योनि में दासी पुत्र के रूप में जन्म लेना पड़ा तुम कोई साधारण मनुष्य नहीं हो तुम तो धर्म का अवतार हो कोई किसी की उंगली काटेगा तो उसकी ऊंगली भी एक दिन कटेगी बचपन में ऋषि मांडव्य ने तितली को कांटा चुभोया था इसलिए सूली पर चढ़ना पड़ा और यदि तितली मर जाती तो ऋषि को भी मरना पड़ता।

सर्व समाज पुलिस थाना परिसर से सौंपेगी ज्ञापन

रीवा घटना के दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबेरा

दिनांक 20 मई 2026 को रीवा जिले में पद विहार कर रहीं दिगम्बर जैन समाज की पूज्यनीय आर्यिका 105 श्रुतमती माता जी एवं आर्यिका 105 उपशम मति माता जी की सड़क दुर्घटना में हुई असामयिक समाधि से संपूर्ण देश का संत समाज एवं धर्म प्रेमी नागरिक आक्रोशित है।

इस हृदयविदारक घटना के विरोध में आज दिनांक 25मई 2026 को जबेरा जैन समाज एवं अंतरराष्ट्रीय जैन संघ, जबेरा इकाई के संयुक्त तत्वावधान में *जबेरा जनपद की सर्व समाज* द्वारा शांतिपूर्ण ज्ञापन कार्यक्रम आयोजित किया गया है। आज सुबह 8 बजे पुलिस थाना परिसर, जबेरा में जबेरा जनपद के सभी वर्ग, पंथ, जाति के नागरिक एकत्र होंगे। यहां से शांतिपूर्ण पद यात्रा के रूप में अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय पहुंचकर माननीय प्रधानमंत्री एवं माननीय मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस ज्ञापन कार्यक्रम में जैन, सनातन धर्म, सिख, बौद्ध समाज के प्रतिनिधियों के साथ-साथ जबेरा जनपद के व्यापारिक संगठन, सामाजिक संस्थाएं एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में शामिल होंगे। यह आयोजन पूर्णतः 'सर्व समाज' की भावना एवं 'संत सुरक्षा' के राष्ट्रीय मुद्दे को लेकर किया जा रहा है।

सर्व समाज द्वारा सौंपे जा रहे ज्ञापन में निम्नलिखित प्रमुख मांगें रखी गई हैं: *IPC 302 के तहत कार्रवाई:* रीवा की घटना को सामान्य सड़क दुर्घटना न मानते हुए इसे सोची-समझी लापरवाही से की गई हत्या माना जाए। दोषी वाहन चालक एवं संबंधित जिम्मेदारों पर *भारतीय दंड संहिता की धारा 302 - हत्या* के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की CBI से जांच कराई जाए। *राष्ट्रीय संत सुरक्षा आयोग:* भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत तत्काल 'राष्ट्रीय संत सुरक्षा आयोग' का गठन करे। यह आयोग देशभर में विहार करने वाले सभी धर्मों के संतों, मुनियों, भिक्षुओं की सुरक्षा हेतु नीति निर्धारण करे। *संत सुरक्षा कानून:* संसद में 'संत सुरक्षा अधिनियम' पारित किया जाए जिसके तहत राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर संत/मुनि दिखते ही सभी वाहनों की अधिकतम गति सीमा 20 किमी/घंटा अनिवार्य हो। उल्लंघन पर IPC 302 के साथ 5 लाख रुपये जुर्माना एवं वाहन राजसात करने का प्रावधान हो। *अनिवार्य पुलिस एस्कॉर्ट:* संतों के विहार की पूर्व सूचना प्राप्त होने पर संबंधित जिला प्रशासन द्वारा निःशुल्क पुलिस एस्कॉर्ट की व्यवस्था करना कानूनी रूप से अनिवार्य किया जाए। हाईवे पर जागरूकता: NHAI द्वारा सभी हाईवे पर 'संत विहार क्षेत्र - वाहन धीमी गति से चलाएं' के बड़े डिजिटल साइन बोर्ड एवं प्रत्येक 50 किमी पर 'संत विश्राम स्थल' बनाए जाएं। संघ के संयोजक राजेश जैन ने बताया कि यह लड़ाई किसी एक समाज की नहीं है। भारत की पहचान ही संत परंपरा से है। जिस देश में संत सुरक्षित नहीं, उस देश का विकास अधूरा है। जब तक सरकार ठोस कानून नहीं बनाती, हमारा शांतिपूर्ण आंदोलन जारी रहेगा। 25 मई को पूरे देश में 'संत सुरक्षा दिवस' मनाया जाएगा। उन्होंने जबेरा जनपद की जनता से अपील की कि सुबह 8 बजे पुलिस थाना परिसर में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस राष्ट्रीय मुद्दे पर अपनी एकजुटता प्रदर्शित करें। जबेरा जैन समाज, अंतरराष्ट्रीय जैन संघ जबेरा इकाई, जबेरा जनपद की सर्व समाज ने सभी से उपस्थित होने की अपील की है।

भाजपा दीनदयाल मंडल में शक्ति केंद्र क्रमांक 4 की बैठक संपन्न

दमोह।

भारतीय जनता पार्टी दीनदयाल मंडल के अंतर्गत शक्ति केंद्र क्रमांक 4 की महत्वपूर्ण बैठक जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे के मार्गदर्शन एवं मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चौरसिया के नेतृत्व में आयोजित की गई। इस बैठक में फुटेरा वार्ड क्रमांक 2, 3 एवं 4 के कार्यकर्ताओं की सक्रिय उपस्थिति रही। बैठक में पार्टी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप बूथ समितियों की समीक्षा की गई तथा मन की बात कार्यक्रम के प्रमुख, लाड़ली बहना योजना एवं अन्य लाभार्थियों की जानकारी एकत्रित कर संगठनात्मक कार्यों को और अधिक सशक्त बनाने पर चर्चा की गई। इस अवसर पर दीनदयाल मंडल के प्रभारी एवं जिला मंत्री रानू नामदेव, पूर्व मंडल अध्यक्ष कृष्णा राज, मंडल महामंत्री अरुण सोनी, महेंद्र अहिरवाल, पार्षद मनीष शर्मा, मंडल उपाध्यक्ष एवं शक्ति केंद्र प्रभारी आशीष राय, विक्की जैन, मंडल मंत्री श्रीमती रेनू रजक, श्रीमती राधा सोनी, अभिषेक सोनी, कार्यालय मंत्री अखिलेश चौबे, मंडल मीडिया प्रभारी अखिलेश सिंह घोषी, पिछड़ा वर्ग मोर्चा मंडल महामंत्री नर्मदा पटेल, बबलू चक्रवर्ती, मुकेश नामदेव, गया साहू सहित वार्ड के समस्त बूथ अध्यक्ष एवं बीएलए-2 उपस्थित रहे। बैठक में संगठन की मजबूती एवं आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर विशेष जोर दिया गया।

बटियागढ़ थाना परिसर में शांति समिति की बैठक का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बटियागढ

आगामी ईद-अल-अजहा पर्व को शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने के उद्देश्य से थाना परिसर बटियागढ़ में थाना प्रभारी रजनी शुक्ल द्वारा शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, नागरिकों, समिति सदस्यों की उपस्थिति रही। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी प्रिया सिंधी ने उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी नागरिक आपसी भाईचारे एवं सौहार्द के साथ पर्व मनाए व क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। थाना प्रभारी राजीव शुक्ला ने भी सभी समुदायों से आपसी समन्वय बनाए रखते हुए ईद का पर्व शांतिपूर्वक मनाने की बात कही। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष नरेंद्र व्यास, भाजपा मंडल अध्यक्ष अरविंद पटेल, शहजादपुर सरपंच नरेंद्र कटारे, कपिल शुक्ला, जनपद सदस्य कमल मिश्रा, वीरेंद्र पटेल, जनपद सदस्य अमजद खान, हाजी ईमाम मासाब, हाजी वाहिद मासाब, इरफान खान, राजा खान, अमजद खान, सलमान खान, शाहरुख खान एवं पुलिस स्टाफ सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

दीवार निर्माण को लेकर सगे भाइयों में विवाद, जमकर चले ईंट-पत्थर

दोनों पक्षों ने अमानगंज थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट, पुलिस जांच में जुटी

अमानगंज। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मढ़ियाकला में दीवार निर्माण को लेकर सगे भाइयों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। घटना में दोनों पक्षों के लोगों को चोटें आई हैं। पुलिस ने दोनों ओर से मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मढ़ियाकला निवासी शंकर प्रसाद विश्वकर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका भाई अर्जुन विश्वकर्मा घर के पास दीवार निर्माण करवा रहा था। निर्माण कार्य के दौरान दीवार पर डाले जा रहे पानी से उसके मकान में सीलन और पानी रिसने की समस्या हो रही थी। इसी बात को लेकर दोनों भाइयों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद के दौरान अर्जुन विश्वकर्मा एवं उसके परिवार के लोगों ने गाली-गलौज करते हुए ईंट एवं हाथ-घूंसों से मारपीट की, जिससे उसकी पत्नी ममता विश्वकर्मा सहित उसे चोटें आईं। वहीं दूसरे पक्ष के अर्जुन विश्वकर्मा ने पुलिस को बताया कि वह अपने घर की दीवार बनवा रहा था, तभी बड़े भाई शंकर प्रसाद ने आकर विवाद शुरू कर दिया। अर्जुन के अनुसार शंकर प्रसाद एवं उसकी पत्नी ने ईंट से हमला कर उसकी पत्नी और बेटे अरुण को घायल कर दिया। घटना के दौरान गांव के लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप भी लगाए हैं। अमानगंज पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

आखिर केन नदी के सुध कब और कौन लेगा, नदी का अस्तित्व स्वतः कर रहा हालात बयां

जहां कभी बहती थी निर्मल जल धारा आज डबरों में तब्दील हो रही केन नदी की धारा

पन्ना।

समय विकास की दिशा को लेकर माना जाता है पर कहीं मनन चिंतन और हकीकत को भी देखने में स्वतः प्रतीत होता है कि यह विकास है या कि हालात हमारी प्राचीन समय से जीवन जो नदियों के किनारे उचित माना जाता था आज नदियों को कहीं न कहीं दुर्दशा का शिकार बनाया जा रहा है। लाभ का कारोबार रेत का जिसके चलते हमारे जिले की केन नदी के अविरल धारा जो कभी बहती थी वह आज केन नदी में धारा डबरों में तब्दील हो गई। केन के मध्य में कई जगह रेत के टीले जो पत्थर नुमा प्रतीत होते है क्योंकि रेत निकाल ली गई पत्थर झन्ना से अलग कर दिये गये। केन का स्वरूप सवतः बर्बादी के हालात अपनी दुर्दशा का शिकार बयां कर रही है। आखिर कौन केन नदी की सुध लेगा जो कहीं

न कहीं हमारी प्राचीन धरोहर हमें प्रकृति से प्रदत्त थी आज नदियां भी हमारी अगर सुरक्षित नहीं तो फिर भावी भविष्य कैसे सुखमय हालात को लेकर माना जायेगा। यहां केन नदी में जो रेत का कारोबार किया जा रहा है सरकार रॉयल्टी मिलती है पर नदी का अस्तित्व विलुप्त होता जा रहा है आखिर जब केन नदी का जल स्तर इतना नीचे चला जायेगा कि खोजने से भी जल की पहचान करना होगा। तब कौन जिम्मेदार होगा आखिरकार सरकार के जिम्मेदार मसीहा भागीरथ तो नहीं बन सकते जिन्होंने गंगा प्रगट की आखिरकार जो नदियां हमें प्रकृति से प्रदत्त मिली है इनकी सुरक्षा करना तो कहीं न कहीं नैतिक जिम्मेदारी जिम्मेदारों को लेना लाजमी है। सभी आंख मूंदकर केन नदी की दुर्दशा देख रहे है फिर भी मौन व चुप्पी चिंता का विषय कहने को तो नियम बनाये गये केन नदी की धारा से कितनी गहराई से रेत निकालने के लिये नियम बनाये गये कौन इसकी पड़ताल करेगा आखिरकार कैसे केन नदी बचेगी जो सबसे बड़ा सवाल सामने है अजयगढ़ तहसील अंतर्गत केन नदी के किनारे बसे गांवों का भविष्य कहीं न कहीं आगे आने वाले समय में जल स्तर को लेकर संकट की भयावह दिशा से गुजरेगा। कहने को तो जल की सुरक्षा को लेकर अभियान चलाये जाते है पर यहां तो नदी का जीवन ही संकट से गुजर रहा है आखिरकार कब और कौन केन नदी की सुध लेगा कौन बचायेगा केन नदी को जब भागीरथ नहीं बन सकते तो विनाश का मार्ग तो न अपनायें आखिर जब नदी ही विलुप्त हो जायेगी तो फिर नदी किनारे बसे गांवों का जीवन कैसे आगे के लिये जाना जायेगा जो सबसे बड़ा सवाल है।

हरिभूमि
दमोह भूमि
10
जबलपुर, सोमवार 25 मई 2026
login : www.haribhoomi.com
हटा | जबेरा | पथरिया | तेन्दूखेड़ा | तेजगढ़ | बटियागढ़ | हिण्डोरिया | बनवार | सिंगपुर | पटेरा | बांदकपुर | नरसिंहगढ़ | हिनौता | कुण्डलपुर

मंत्री प्रहलाद पटेल ने किया आकस्मिक निरीक्षण

गुबरा गौशाला को पर्यटन हब बनाने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबेरा/सिग्रामपुर

जनपद पंचायत जबेरा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत गुबरा स्थित गौशाला का रविवार को मध्य प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम विभाग के कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने भ्रमण किया। इस दौरान मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने उनका आत्मीय स्वागत किया।

भ्रमण के दौरान कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल गौशाला पहुंचे, जहां उन्होंने गायों को चारा खिलाया एवं बछड़ों को दुलार किया। उन्होंने गौशाला की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि गौवंश के लिए पर्याप्त मात्रा में चारा और पानी उपलब्ध कराया जाए तथा उनकी बेहतर देखरेख सुनिश्चित की जाए।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जबेरा विधानसभा क्षेत्र की गुबरा गौशाला प्राकृतिक दृष्टि से अत्यंत उपयुक्त स्थान पर स्थित है। यहां नदी, जंगल एवं समीप स्थित सिंगौरगढ़ किला पर्यटन की दृष्टि से विशेष महत्व रखते हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में गौसेवा के साथ सनातन संस्कृति एवं प्राकृतिक धरोहर के संरक्षण की अपार संभावनाएं हैं। भविष्य में यह गौशाला एक विकसित पर्यटन स्थल के रूप में उभर सकती है।

उन्होंने बताया कि आगामी समय में गौशाला परिसर में स्टॉप डैम निर्माण, वृक्षारोपण एवं तार फेंसिंग जैसे कार्य कराए जाएंगे। साथ ही परिसर में अधिक संख्या में छायादार पौधे लगाए जाएंगे, जिससे यहां का वातावरण और अधिक अनुकूल एवं आकर्षक बन सके।

राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि गुबरा गौशाला को प्राकृतिक वातावरण में विकसित किया गया है और इसे गौ संरक्षण के साथ पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने हेतु विशेष कार्य योजना तैयार की जा रही है। उन्होंने बताया कि यहां एक अभिनव पहल भी शुरू की गई है, जिसके अंतर्गत लोग अपने जन्मदिन पर गौशाला पहुंचकर गौ माता को गौ-ग्रास अर्पित कर जन्मदिन मनाते हैं।

उन्होंने कहा कि कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल से गौशाला के विकास को लेकर विस्तृत चर्चा हुई है, जिसमें गौ संरक्षण एवं पर्यटन विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए हैं। पर्यटन विभाग को यहां होमस्टे निर्माण के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि भविष्य में आने वाले पर्यटक यहां ठहरकर प्राकृतिक वातावरण का आनंद ले सकें।

इस अवसर पर भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ता मुकेश ठाकुर द्वारा गौशाला के विकास हेतु 11,000 की राशि दान स्वरूप प्रदान की गई। भ्रमण के दौरान सांसद प्रतिनिधि रूपेश सेन, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शिवचरण, नरेंद्र बजाज, मुलायम चंद्र जैन, मंडल अध्यक्ष मंदीप यादव, बंटी दुबे, सत्यपाल, विनीता कुलस्ते, सरपंच मनोज राय, अजय सोनकर, जुगल शर्मा, विनोद बाजपेयी,मुकेश ठाकुर, अजय राय, गोलु साहू, सहारा ठाकुर, सहित जिला आरईएस अधिकारी अदिति सिंह, जनपद सीईओ रामेश्वर पटेल, नायब तहसीलदार विनोद कुमार पांडे, एसडीओ शिवाजी, उपयंत्री सुरेश प्रजापति, आर.के. वर्मा, थाना प्रभारी विकास चौहान एवं अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं क्षेत्रीय नागरिक की उपस्थित रही।

रनेह पुलिस थाने पहुंचे पुलिस कप्तान, तीन को किया सस्पेंड

रनेह। पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी IPS द्वारा पदभार संभालते ही पुलिस कार्य प्रणाली आम जन मानस के लिए सुविधाजनक हो, जनता और पुलिस के संबंध में तालमेल हो ऐसा सतत प्रयास पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा निरंतर देखने मिल रहा है। इसी की अनूठी पहल मंगलवार की जनसुनवाई है जो कि हटा थाने में आयोजित है। जिसमें हटा अनुभाग के समस्त थाना क्षेत्र के नागरिकों को इसका लाभ मिलेगा। समूचे जिले के थाना एवं पुलिस चौकियों का औचक निरीक्षण चल रहा है। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय सुबह-सुबह पुलिस थाना रनेह पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रधान आरक्षक शिवराज सिंह, आरक्षक सौरभ, ब्रजेश ठाकुर की पुलिस ड्यूटी में लापरवाही बरते जाने पर श्री कलादगी ने तीनों कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया। सीसीटीएनएस कार्य, साफ-सफाई, मालखाना, हवालात, भवन, भूमि रकवा के साथ ही रिकॉर्ड का बारीकी से निरीक्षण किया। थाना प्रभारी चंदन सिंह निरंजन को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बाईक सवार डंपर से टकराएं एक वृद्ध की मौके पर मौत

तेंदूखेड़ा। शनिवार रात्रि नगर से 2 किलोमीटर दूर ग्राम नरगुंवा चौधरी वेयर हाउस के पास मोटरसाइकिल सवार डंपर से टकरा गए। जिससे मौके पर सिर में चोट के चलते एक वृद्ध की मौत हो गई एवं मृतक का पुत्र धरमदास 47 घायल हो गए। मृतक कोमल प्रसाद के पुत्र धरमदास 47 ने बताया कि हम लोग दोपहर 3 बजे पाटन भूसा देखने गए थे। लौटते समय नरगुंवा के पास डंपर से टकरा गए। मैं हेलमेट पहने था इसलिए मुझे ज्यादा चोट नहीं आई पिताजी का सिर डंपर में लगा जिससे वह सडक पर जा गिरे। मैनें तुरंत ही अपने रिश्तेदारों को सूचना दी इसके अलावा अन्य लोगों के द्वारा घटना की सूचना डायल 112 एवं 108 वाहन को दी गई जहां सूचना मिलते ही पुलिस सहित 108 वाहन से पायलट शंकर यादव डॉ भगवानदास यादव मौके पर पहुंचे पिताजी को उठाकर स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। रविवार की सुबह पुलिस ने स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया और पोस्टमार्टम उपरांत शव परिजनों के सुपुर्द कर आगे की जांच-पड़ताल शुरू कर कार्रवाई शुरू की गई इस परिजनों सहित पाल समाज के दर्जनों लोग स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा रही हैं।

ध्वजारोहण के साथ आज होगा श्रावक संस्कार शिविर का शुभारंभ

दमोह। वसुंधरा नगर स्थित दिगंबर जैन आदिनाथ मंदिर में 25 से आगामी 31 मई तक चलने वाले श्रावक संस्कार शिविर का शुभारंभ प्रातः 7:00 बजे ध्वजारोहण के साथ होगा। ध्वजारोहण करने का सौभाग्य श्रीमती शोभा अक्षय शिवांजय पेट्रोल पंप परिवार को प्राप्त हुआ है। शिविर हेतु प्रथम कलश स्थापित करने का सौभाग्य श्रीमती कमला निर्मल जैन, सुनील, महेंद्र करुणा वेजीटेरियन परिवार को प्राप्त हुआ जबकि दूसरा कलश श्रीमती सविता संजय जैन एवं तृतीय कलश श्रीमती द्रोपती जिनेंद्र जैन सौरभ सुयश भारिल परिवार को प्राप्त हुआ। शिविर के प्रवक्ता सुनील वेजीटेरियन ने बताया कि दमोह के प्रतिभाशाली विद्वान डॉ प्रदीप जैन आचार्य के निर्देशन में पंडित विवेक जैन आचार्य एवं पंडित रूपेश जैन शास्त्री विभिन्न धार्मिक कक्षाओं में अध्यापन का कार्य करेंगे। शिविर की व्यवस्थाओं हेतू महेंद्र जैन को संयोजक एवं अतुल गंगरा दिव्यांश जैन एवं समस्त समंती युवा मंडल को सहयोगी के रूप में नियुक्त किया गया है। महिला मंडल से सहयोग हेतु श्रीमती नेहा बजाज एवं सीमा जैन को नियुक्त किया गया है।

जैन समाज द्वारा आज निकाली जाएगी जन आक्रोश रैली

दमोह। मध्यप्रदेश के रीवा में दो जैन साध्वी को कार से कुचलने की घटना के विरोध में जैन समाज के द्वारा देशव्यापी जन आक्रोश मोन रैली निकाली जा रही है। दमोह में मोन रैली दिगंबर जैन पंचायत के नेतृत्व में नन्हे मंदिर जैन धर्मशाला से प्रातः 9:00 बजे रैली प्रारंभ होकर धकट चौराहा से दमोह के हृदय स्थल घंटाघर से होती हुई कीर्ति स्तंभ पहुंचेगी जहां पर जैन समाज के द्वारा प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम जिले के प्रशासन को ज्ञापन सुप्रद किया जाएगा। ज्ञापन में मांग की गई है कि संतों की सुरक्षा हेतु विशेष उपाय करने के लिए एक राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति बनाई जावे संतों की सुरक्षा के लिए प्रोटोकॉल हो संतो के प्रति विशेष संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही करते हुए अपराधियों को कठोर से कठोर दंड दिए जावे पुलिस और प्रशासन का समाज की साथ और बेहतर समन्वय हो। श्री दिगंबर जैन पंचायत द्वारा अपील की गई है कि इस रैली में सभी माताएं, बहनें, भाई बंधु धर्म रक्षा और संतों की सुरक्षा के लिए आवश्यक रूप से सहभागिता दर्ज करें।

कल दमोह पुलिस अधीक्षक पुलिस थाना हटा में करेंगे जनसुनवाई

हटा। पुलिस थाना हटा में पहली बार नवागत दमोह पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी द्वारा मंगलवार को जनसुनवाई के माध्यम से लोगों की समस्याएं सुनकर निराकरण करेंगे। इस संबंध में हटा थाना प्रभारी सुधीर कुमार बेगी ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक द्वारा अनुविभाग क्षेत्र के लोगों की समस्याओं के निराकरण हेतु मंगलवार को जनसुनवाई की जा रही है जिसमें उन्होंने नगर सहित क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कहा कि जिन लोगों को किसी भी प्रकार की समस्या हो वह पुलिस अधीक्षक के समक्ष उपस्थित होकर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं एवं मौखिक रूप से भी अवगत करा सकते हैं जिसका निराकरण तुरंत किया जावेगा। उल्लेखनीय है कि यह पहला अवसर है कि दमोह पुलिस अधीक्षक द्वारा तहसील स्तर के पुलिस थाना मैं बैठकर जनसुनवाई के माध्यम से जनता की समस्याएं सुनी जा रही है। जिसका प्रचार प्रसार भी हटा पुलिस थाना प्रभारी सुधीर बेगी द्वारा नगर के प्रमुख लोगों एवं सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार किया जा रहा है।

26 मई से शुरू होगा श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव

तेंदूखेड़ा। जनपद पंचायत अंतर्गत वनांचल क्षेत्र की ग्राम पंचायत सैलवाड़ा में आगामी 26 मई से 2 जून 2026 तक संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा एवं ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन ग्राम सैलवाड़ा स्थित निज निवास, यज्ञशाला के पास संपन्न होगा। आयोजनकर्ता पं. कौशल किशोर चौबे, श्रीमती सविता चौबे एवं पं. प्रशांत-प्राची चौबे ने क्षेत्रवासियों एवं धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। कथा का शुभारंभ 26 मई, मंगलवार को बैठकी, देवपूजन एवं भव्य शोभायात्रा के साथ होगा। कथा के दौरान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, श्रीकृष्ण-रूक्मणी विवाह तथा सुदामा चरित्र एवं परीक्षित मोक्ष जैसे प्रसंग श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेंगे। 2 जून, मंगलवार को पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे के साथ आयोजन का समापन किया जाएगा। इस आध्यात्मिक आयोजन में कथा व्यास के रूप में वृंदावन धाम से पधार रहे पं. श्रीकृष्ण कुमार शास्त्री ग्राम वाकल, कटनी कथा का रसपान कराएंगे। वहीं मुख्य यजमान के रूप में पं. प्रशांत प्राची चौबे उपस्थित रहेंगे। आयोजकों ने बताया कि नगर से लगभग 25 किलोमीटर दूर प्राकृतिक एवं शांत वातावरण में स्थित यह आयोजन श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करेगा।

राज्यमंत्री ने मलेशिया से पदक जीतने वाली छात्रा नियती दीक्षित का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

मलेशिया में आयोजित इंटरनेशनल करांटे चेम्पियनशिप 2026 में 14 वर्ष आयु श्रेणी में भाग लेकर पदक जीतने वाली दमोह के सकोर गांव की बेटी नियती दीक्षित का प्रदेश के पशुपालन और एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने सम्मान किया। दमोह के जटाशंकर स्थित कार्यालय में राज्यमंत्री लखन पटेल ने छात्रा नियती दीक्षित से भेंट की और उन्हें इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी। राज्यमंत्री लखन पटेल ने कहा नियती की यह उपलब्धि उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन का परिणाम है। बिटिया ने सिद्ध कर दिया कि संकल्प और परिश्रम से बेटियां हर क्षेत्र में सर्वोच्च शिखर छू सकती हैं। राज्यमंत्री लखन पटेल ने कहा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने एवं बेटियों के सशक्तिकरण हेतु निरंतर कार्यरत है। नियती जैसी प्रतिभाएं मध्यप्रदेश की पहचान हैं। उन्होंने बिटिया के उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर प्रगति की कामना की।

बुंदेलखंड में चिकित्सा क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा-मंत्री श्री पटेल

दमोह। वर्ष 2026 बुंदेलखंड में चिकित्सा क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा, ऐसे कार्यक्रम महानगरों में होते हैं और दमोह में इस कांफ्रेस की हिम्मत जुटाना सराहनीय है। इस आशय की बात आज प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने एक निजी होटल आयोजित "मेडिकॉन दमोह 2026" कार्यक्रम के दौरान व्यक्त की। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मंत्री श्री पटेल ने कहा इतिहास में जब चर्चा होगी तो ऐसे कार्यक्रम की सराहना होगी। उन्होंने आयोजको को बधाई दी। दोनो डॉक्टरों को शुभकामनाएं देता हूँ। ऐसे सेशन चुपचाप सुनने वाले हैं। उन्होंने कहा ग्रामीण क्षेत्र की चिकित्सा में जो भी चुनौतियां डॉक्टर के सामने आती हैं, वे खुल कर अपनी बात रखें और समाधान खोजें, इससे और अच्छा कोई प्लेटफार्म नहीं हो सकता। पुनः मेडिकोंन दमोह 2026 की शुभकामनाएं देता हूं। बाहर से आए मेहमानों का बुंदेलखंड की धरती पर स्वागत करता हूं। इस अवसर पर विशेषज्ञ डॉक्टर्स ने भी अपने विचार विस्तार से रखें।

खुदाई के दौरान घर की नींव में मिले 42 चांदी के सिक्के

निर्माण कार्य के दौरान मचा हड़कंप

दमोह। शहर के सिटी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत यशवंत चौक और महाकाली चौक के बीच एक निर्माणाधीन मकान की खुदाई के दौरान चांदी के सिक्के मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार आलोक सोनी के मकान की नींव खोदते समय मजदूरों को जमीन के भीतर से चांदी के सिक्के मिले, जिसके बाद यह खबर तेजी से फैल गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही कलेक्टर प्रताप नारायण यादव एवं पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी के निर्देशन में तहसीलदार रॉबिन जैन, रघुनंदन चतुर्वेदी, कोतवाली टीआई मनीष कुमार सहित प्रशासनिक एवं पुलिस अमला मौके पर पहुंचा। प्रशासन ने तत्काल निर्माण कार्य रुकवाकर पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में ले लिया। जानकारी के अनुसार अब तक करीब 42 चांदी के सिक्के मिले हैं। सिक्कों की प्राचीनता और ऐतिहासिक महत्व का पता लगाने के लिए पुरातत्व विभाग को भी सूचना दे दी गई है। प्रशासन द्वारा सिक्कों को नियमानुसार जब्त कर सुरक्षित रखने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सभी सिक्कों को सरकारी नियमों के तहत जब्त कर कोषालय में जमा कराया जाएगा। सिक्कों के मिलने की घटना शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है।

फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत 24 मई 2026 को संडे साइकिल आयोजित

दमोह। हॉकी इंडिया के दिशानिर्देशन मे हॉकी मध्य प्रदेश महासचिव लोकबहादुर के निर्देश पर हॉकी दमोह द्वारा 75 वे सत्र मे साइकिल दोड का आयोजन स्टेडियम मैदान से प्रारम्भ हुई भारत सरकार भारतीय खेल प्राधिकरण साई हॉकी इंडिया हॉकी मध्य प्रदेश के दिशानिर्देशन मे फिट इंडिया के तहत हॉकी दमोह ने साईकिल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमे हॉकी दमोह के प्रतिभागी शामिल हुए समापन के अवसर पर हरिशंकर यादव राजेश सालोमन विजय ने खिलाडियो को सम्बोधित कर स्वस्थ रहने के सुझाव दिए आयोजन पर आभार तरूण नामदेव ने व्यक्त किया प्रतिभागियो को हॉकी दमोह की ओर से स्वलपाहार दिया गया

जैन युवा महासंघ ग्रामीण जिनालयों की ओर रुख करें- मुनि श्री पदम सागर

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

जो मन से पूजा करते हैं उनको पूजा फल देती है जैसी पावन भावना के साथ दमोह नगर के जैन युवाओ की टोली प्रत्येक रविवार को नगर के किसी एक जिनालय में पहुंचकर श्रीजी का अभिषेक शांति धारा पूजन करती आ रही है। नगर के आधा दर्जन से अधिक जिनालय में रविवार पूजन अभिषेक कर चुकी जैन युवा महासंघ की टीम इस रविवार को श्री पारसनाथ दिगंबर जैन नन्हे मंदिर जी पहुंची। जहां मुनि श्री पदम सागर जी एवं छल्लक श्री तात्पर्य सागर जी के पावन सानिध्य में अभिषेक शांति धारा पूजन को युवा द्वारा भक्ति भाव के साथ संपन्न किया गया। इस अवसर पर मुनि श्री पदम सागर जी महाराज ने रविवारिय मंगल प्रवचन श्रृंखला में जैन युवा संघ को मंगल आशीर्वाद देते हुए कहा कि उनको अब जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित जिनालय्यों की तरफ रुख करना चाहिए जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी धर्म ज्ञान की ज्योति जल सके तथा जो ग्रामीण लोग श्री जी के पूजन अभिषेक से दूर होते जा रहे हैं उनको भी पुनः प्रेरणा प्राप्त हो सके। मुनि श्री ने जैन युवा संघ को अपने संगठन में विस्तार करते हुए सभी जिनालय तथा ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को जोड़ने की मंगल प्रेरणा देते हुए समूह का महत्व बताया। मुनि श्री ने कहा कि एक पत्थर से किसी जानवर को तो भगाया जा सकता है लेकिन यदि वही पत्थर मधुमक्खी के छत्ते पर पड़ जाए तो भारी पड़ सकता है। मुनि श्री ने एक और उदाहरण देते हुए कहा कि आप बाजार में जब अंगूर खरीदने जाते हैं तो गुच्छे मैं मौजूद अंगूर खरीदते हैं ना की गुच्छे विहीन अंगूरों को। मुनिश्री ने रीवा में जैन साध्वियों के ऊपर आए उपसर्ग तथा उनकी समाधि के उपरांत 25 मई को आयोजित मौन विरोध जुलूस में समाज के प्रत्येक घर से छोटे-बड़े महिला पुरुष सभी को शामिल होने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि भविष्य में कभी इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो इसके लिए जैन युवा महासंघ जैसे संगठन साधुओं के आहार बिहार जंगल चर्या आदि में भी टीम बनाकर अपनी सहभागिता दर्ज कराए। इस अवसर पर मुनि श्री के द्वारा सभी जैन युवाओं को समूह में रहकर संगठन में वृद्धि करने का बहुत-बहुत आशीर्वाद दिया। युवाओं की इस टीम में प्रकाश जैन वसुंधरा नरेंद्र जैन सबलू मनीष जैन आउटलुक सुनील जैन बड़े राय महेंद्र जैन वसुंधरा नमन बजाज आशीष गांगरा सहित अनेक युवाओं की सहभागिता रही। इस अवसर पर मंदिर कमेटी की ओर से अध्यक्ष नवीन निराला महामंत्री राजकुमार रानू नेम कुमार बजाज जितेंद्र जैन जीतू राजेंद्र लाट साहब राजेंद्र अटल सहित अनेक आसामियों ने जैन युवा महासंघ का तिलक वंदन करके उनके पुण्य तथा भावनाओं की अनुमोदना की

प्राण-प्रतिष्ठा एवं मूर्ति स्थापना समारोह में सम्मिलित हुये राज्यमंत्री पटेल

दमोह। प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल पथरिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कोड़र मड़ी में पूज्य श्री श्री 108 श्री सतगुरु रविदास महाराज जी एवं मां गंगा मैया जी की पावन प्रतिमाओं के प्राण-प्रतिष्ठा एवं मूर्ति स्थापना समारोह में सम्मिलित होकर पुण्यलाभ अर्जित किया। उन्होंने कहा संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज ने सामाजिक समरसता, समानता एवं भक्ति का जो मार्ग दिखाया, वह आज भी हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। मां गंगा भारतीय संस्कृति की जीवनदायिनी हैं। उन्होंने इस दिव्य आयोजन हेतु समस्त ग्रामवासियों एवं आयोजन समिति को हार्दिक बधाई दी। राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा संत रविदास जी की कृपा एवं गंगा मैया के आशीर्वाद से क्षेत्र में सुख, शांति व समृद्धि का वास हो, यही प्रार्थना है।

गांव गांव पहुंच रहा कृषि रथ, किसानों को जानकारी देकर किया जा रहा जागरूक

जबेरा। जनपद पंचायत जबेरा क्षेत्र में इस समय जिला प्रशासन के निर्देशन एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी नरेंद्र सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में ,कृषि कल्याण वर्ष 2026 के तहत कृषि रथ जबेरा विकासखंड के गांव गांव पहुंचकर कृषकों को योजनाओं एवं कृषि संबंधित जानकारी देकर जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। जिसके तहत कृषि रथ रविवार को जबेरा जनपद की ग्राम पंचायत पौड़ी मानगढ़ पहुंचा। जहां कृषि विभाग से कृषि विस्तार अधिकारी दर्शिका दुबे ने बताया कि शासन का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिक खेती और सरकारी योजनाओं का लाभ कृषि रथ के माध्यम से सीधे ग्रामीण स्तर पर किसानों के द्वार तक पहुंचाना है। उन्होंने किसानों को बताया कि यह रथ जबेरा जनपद की विभिन्न ग्राम पंचायतों में पहुंचकर कृषि क्षेत्र में चल रहे मुख्य स्तंभों पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित कर रहा है। जैसे ई विकास पोर्टल अंतर्गत मोबाइल से ई टोकन जनरेट करना, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, स्वामत हेल्थ कार्ड, नरवाई प्रबंधन एवं वर्मी कंपोस्ट, बायो फर्टिलाइजर, फसल विविधीकरण, ग्रीन मैन्योरिंग, वीजामृत, जीवामृत जैसे उपायों के बारे में बताते हुए विभागीय योजनाओं की जानकारी किसानों को दी जाती हैं। इस अवसर पर जनपद सदस्य चंदन सिंह,के एल चौरसिया, सुनील पटेल, मनोहर राय सहित अनेकों किसानों की उपस्थिति रही।

पटेरा पुलिस ने लगातार दूसरे दिन जब्त किया गांजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

पटेरा पुलिस ने लगातार दूसरे दिन गांजा जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी के निर्देशन मे एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत सिह भदौरिया एवं एस.डी.ओ.पी. हटा सौरभ त्रिपाठी के मार्ग दर्शन में मुखबिर की सूचना पर दिनाँक 23/05/2026 को पटेरा पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजा के विरूध्द प्रभावी कार्वयाही करते हुये बहादुर सींग पिता मिट्ठू सींग आदिवासी राजगौड़ उम्र 35 साल निवासी जेर (इमलिया)थाना पटेरा से 02 किलो 864 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा कीमती करीबन 40000/- रूपये सहित गिरफ्तार किया गया है। जो आरोपी के विरूध्द अन्तर्गत धारा 8/20 एन.डी.पी.एस.एक्ट का प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया है। जप्त किये गये अवैध मादक पदार्थ गांजा के सोर्स के संबंध में विवेचना एवं तलाश पतारसी की जा रही है। मामले में थाना प्रभारी पटेरा उप निरीक्षक धर्मेन्द्र सिह गुर्जर, उप निरी. संतोष सिह ,स.उ.नि.दिलीप सिह ,प्रधान आर.,आर.बृजेश अठ्या ,आर.नीतेश ,आर. सुरेश लोधी , आर.गब्बर व सायबर सेल का सराहनीय योगदान रहा।